महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

सत्र 2024–25 में प्रवेश हेतु दिशा–निर्देश

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं संबद्ध महाविद्यालयो में सत्र 2024–25 से प्रवेश के संबंध में दिनांक 02.08.2024 को प्रवेश समिति की बैठक आहूत की गयी जिसमें उ0प्र0 शासन द्वारा सत्र 2024–25 से एनईपी के अर्न्तगत चलाये जा रहे स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए नवीन पाठ्यक्रम संरचना (फ्रेमवर्क) के क्रियान्वयन हेतु दिये गये प्रस्ताव के बिन्दुओं पर चर्चा की गई, जिसमें सत्र 2024–25 में प्रवेश हेतु स्नातक स्तर पर विषय पुंज तथा मेजर एवं माइनर विषयों को चयन करने की प्रक्रिया पर विचार किया गया। विश्वविद्यालय सहित महाविद्यालयों के प्राचार्यो एवं प्रतिनिधियों ने उक्त प्रवेश हेतु प्रस्ताव पर अपने सुझाव एवं सहमति प्रदान की, जिसके आधार पर सत्र 2024–25 में प्रवेश हेतु अग्रलिखित नियमावली पर निर्णय लिया गया :

स्नातक स्तर पर मेजर एवं माइनर के लिये विषय–पुंज

क) कला, मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय हेतु विषय पुंज

Subject Combination for Art Faculty

Group-A	Group-B	Group-C	Group-D
Hindi	Urdu	History	Economics
Russian	English	Ancient Indian History, Culture & Archeology,	Music-Istrumental Tabla
Arabic	Sanskrit	Medieval & Modern Indian History	Music-Instrumental Sitar
-	-	Geography	-

Group-E	Group-F	Group-G	Group-H
Sociology	Political Science	Journalism	Physical Education
Social Work	Music-Vocal	Drawing & Painting	Education
Mathematics*	-	Philosophy	-

Group-I
Home Science
Military Science
Psychology
Statistics*

(*) प्रदर्शित विषय के आवंटन के लिए 12वीं कक्षा में छात्रों का गणित विषय मुख्य विषय (**Major Subject**) के रूप में होना अनिवार्य है।

ब)विज्ञान संकाय हेतु विषय पुंज

Subject Combination for Science Faculty

Group-A	Group-B	Group-C	Group-D
Physics*	Mathematics*	Chemistry*	Computer Science**
Zoology*	Botany*	Statistics**	Computer Application
-	-	Military Science	Bio-Technology
-	-	Home Science	Industrial MicroBiology
-	-	Psychology	Geography

(*) **प्रदर्शित विषय के आवंटन के लिए 12वीं कक्षा में उक्त चयनित विषय का होना आवश्यक है।**

(**) **प्रदर्शित विषय के आवंटन के लिए 12वीं कक्षा में गणित विषय होना आवश्यक है।**

मेजर एवं माइनर विषय आवंटन हेतु दिशा निर्देश

- 2024–25 से एनईपी के अन्तर्गत चलाये जा रहे स्नातक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी को प्रवेश के समय तीन मेजर विषयों की जगह सिर्फ़ **दो मेजर विषय का चयन किसी एक संकाय से करना होगा** और यही उसका अपना संकाय (own faculty) होगा । इन्ही दो स्नातक मेजर विषय के साथ विद्यार्थी इस संकाय में वह अगले तीन वर्ष (छः सेमेस्टर) तक अध्ययन करेगा।
- दो मेजर विषय के साथ विद्यार्थी को तीसरा विषय का भी चयन करना होगा, जो उसका माइनर विषय होगा। बहुविषयकता के दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थी माइनर विषय का चयन विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय में उपलब्धता के आधार पर चाहे तो अपने संकाय से कर सकता है या फिर किसी अन्य संकाय से चुन सकता है। विद्यार्थी को एक–एक माइनर विषय का स्नातक प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमे0) एवं द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमे0) में अध्ययन करना होगा।
- विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में अध्यापकों की उपलब्धता एवं संसाधनों के आधार पर विभिन्न विषयों की सीट पर प्रवेश दिया जायेगा।
- छात्र को उपरोक्त विषय पुंज में दिये गये समूहों में से किसी भी दो विषयों को मुख्य विषय (Major Subject) के रूप में चुनना होगा।
- छात्र को अपने पहले मुख्य विषय के लिए एक समूह से और दूसरे मुख्य विषय के लिए दूसरे समूह से विषय का चयन करना होगा।

- छात्र को अपने दो चयनित समूहों को छोड़कर किसी अन्य समूह से किसी एक विषय का और चयन करना होगा, जो उसका माइनर विषय (Minor Subject) होगा।
- मेजर पेपर के समान माइनर पेपर भी 6 क्रेडिट का ही होगा।
- मेजर विषयों में अधिकतम दो प्रायोगिक विषयों का आबंटन किया जायेगा। **(विज्ञान संकाय के विषयों को छोड़कर)।**
- **माइनर विषयों में प्रायोगिक विषयों का आवंटन नही किया जायेगा।**
- विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में उपलब्धता एवं प्रचलित कोर्स के आधार पर माइनर विषय (Minor Subject) का आबंटन किया जायेगा।
- माइनर पेपर का आवंटन स्नातक द्वितीय एवं चतुर्थ सेमे0 में किया जायेगा। विद्यार्थी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में माइनर हेतु चयन किये गये विषय के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमे0 के प्रश्न पत्र (Paper/Course) का अध्ययन करेगा।
- माइनर पेपर की परीक्षा द्वितीय एवं चतुर्थ सेमे0 में उस विषय की मेजर पेपर की परीक्षा के साथ सम्पन्न होगी।

कला, मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय के विषय

हिन्दी Hindi	संस्कृत Sanskrit	अंग्रेजी English	उर्दू Urdu	रसियन Russian
अरबी Arabic	संगीत गायन Music-Vocal	संगीत वादन तबला Music-Instrumental Tabla	संगीत वादन सीतार Music-Instrumental Sitar	दर्शनशास्त्र Philosophy
शिक्षाशास्त्र Education	पत्रकारिता Journalism	शारीरिक शिक्षा Physical Education	इतिहास History	प्राचीन इतिहास Ancient History
मध्यकालीन इतिहास Medieval History	गृहविज्ञान Home Science	भूगोल Geography	अर्थशास्त्र Economics	राजनीतिशास्त्र Political Science
समाजशास्त्र Sociology	समाज कार्य Social Work	मनोविज्ञान Psychology	ड्राइंग एवं पेंटिंग Drawing & Painting	सैन्य विज्ञान Military Science

विज्ञान संकाय

भौतिकी Physics	रसायन विज्ञान Chemistry	कम्प्यूटर विज्ञान Computer Science	कम्प्यूटर एप्लीकेशन Computer Application	गणित Maths
सांख्यिकी Statistics	प्राणी विज्ञान Zoology	वनस्पति विज्ञान Botany	बॉयोटेक्नालॉजी Bio-Technology	इन्डस्ट्रीयल माइक्रो बॉयोलाजी Industrial MicroBiology

कौशल विकास कोर्स की सेमेस्टरवार सूची

Vocational/Skill Development Courses

प्रत्येक सेमेस्टर में एक पाठ्यक्रम का चयन करना होगा।

Semester-I

1. Drawing and Sketching
2. Statistical Analysis through SPSS
3. Voluntary Action and NGO Management
4. Commercial Hindi
5. Business English

Semester-II

1. Data Analytics
2. Introduction to Handloom Science
3. E-Taxation
4. Basics of Music Theory
5. Gandhian Model of Skill Development

Semester-III

1. Photography
2. Pattern Making and Civil Technology
3. Introduction to Raaga and Taala
4. Psychological Testing
5. Marketing and Salesmanship

सह–पाठ्यक्रम / कोर्स Co-Curricular Courses

प्रत्येक सेमेस्टर में एक पाठ्यक्रम का चयन करना होगा।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर –

1. Food, Nutrition and Hygiene
2. First Aid and Health

स्नातक द्वितीय सेमेस्टर –

1. Human Values and Environmental Studies
2. Physical Education and Yoga

स्नातक तृतीय सेमेस्टर –

1. Analytical Ability and Digital Awareness
2. Communication Skill and Personality Development
3. Varanasi Ke Sant (Saints of Varanasi)

स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर – Indian/Local Language –

1. Pali
2. Bhojpuri
3. Kannada
4. General Hindi
5. General Sanskrit

कौशल विकास कोर्स एवं सह पाठ्यक्रम के चयन हेतु दिशा निर्देशः

- स्नातक स्तर पर विद्यार्थी को मेजर एवं माइनर विषयों के साथ कौशल विकास कोर्स तथा सह–पाठ्यक्रम कोर्स का भी अनिवार्य रूप से अध्ययन करना होगा।
- कौशल विकास कोर्स को विद्यार्थी स्नातक स्तर पर प्रथम तीन सेमेस्टर (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर) में अध्ययन करेगा तथा सह–पाठ्यक्रम कोर्स को उसे प्रथम चार सेमेस्टर (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) में अध्ययन करना होगा।
- विद्यार्थियों को कौशल विकास कोर्स तथा सह–पाठ्यक्रम कोर्स के आवंटन को और सुविधाजनक बनाने के लिए सेमेस्टरवार इनका ग्रुप बना दिया गया है।
- विद्यार्थी कौशल विकास कोर्स और सह–पाठ्यक्रम कोर्स का चयन नीचे दी गई सूची में से उस ग्रुप से करेगा जिसमे वह वर्तमान में अध्ययनरत होगा। अर्थात यदि विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययनरत है तो वह द्वितीय सेमेस्टर में उपलब्ध ग्रुप मे से ही कौशल विकास कोर्स तथा सह–पाठ्यक्रम कोर्स का चयन कर सकता है, किसी अन्य सेमेस्टर के ग्रुप में से नही कर पायेगा।
- स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर में विद्यार्थी को सह–पाठ्यक्रम कोर्स में एक भारतीय भाषा / स्थानीय भाषा का अध्ययन करना अनिवार्य होगा।

अनुलग्नकः राष्ट्रीय शिक्षा नीति सम्बन्धी शासन का ड्रॉफ्ट।